वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 241 | सोमवार 26 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कुत्ते के काटने से बच्ची के फेफड़ों में छेद हुए

जयपुर में स्कूल जा रही मासूम को दौड़ाया, शरीर को जगह-जगह नोंचा

जयपुर. कासं

जयपुर में कुत्ते ने 5 साल की शीतल प्रजापत पर ऐसा झपट्टा मारा कि उसके फेफड़े में आर-पार छेद हो गया है। गंभीर हालत में बच्ची को एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घायल बच्ची के चाचा राजेश प्रजापत ने कहा कि कुत्ते ने शरीर को जगह-जगह दांत और नाखून से नोंच डाला है। इलाके में इस कुत्ते ने पिछले 2 दिन में 10 से ज्यादा लोगों पर हमला कर चुका है। मामला शहर से सटे शाहपुरा इलाके का है। प्रिंस रैबीज संस्थान के शैतान सिंह ने बताया कि 22 दिसंबर को शाहपुरा के गांव खोरालाडखानी में 5 साल की शीतल पर कुत्ते ने अटैक किया था। वह सरकारी स्कूल की पहली क्लास में पढ़ती है। सुबह करीब 10:30 बजे वह साथियों के साथ पैदल स्कूल जा रही थी। घर से करीब आधा किलोमीटर दूर रास्ते में आवारा कुत्ते ने शीतल पर हमला कर दिया। अचानक कुत्ते के हुए हमले को देखकर साथी बच्चे शीतल को छोड़कर भाग निकले।

''पीक आवर'' में नहीं मिल रही बिजली

पश्चिमी राजस्थान में पवन ऊर्जा से 385 लाख यूनिट, सौर ऊर्जा से 100 लाख यूनिट बिजली उत्पादन घटा

जयपुर. कासं

पश्चिमी राजस्थान में हवा की गति धीमी होने से पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन 400 लाख यूनिट से घटकर 15 लाख यूनिट रह गया है। वहीं, सर्दी के कारण दिन छोटे होने से सौर ऊर्जा से भी रोज 150 लाख यूनिट बिजली ही मिल रही है, गर्मी के मौसम में उत्पादन 250 लाख यूनिट था। जहां सोलर प्लांट लगे है, वहां दिन में बादल होने से भी रविवार को उत्पादन पर असर पड़ा है। इस वजह से प्रदेश में बिजली संकट गहरा गया है। नतीजतन शाम के पीक आवर में रोज उद्योगों को दी जाने वाली बिजली काटी जा रही है। इस वजह से प्रदेश के डेढ़ लाख से ज्यादा उद्योगों में शाम को तीन घंटे प्रोडक्शन ठप रहता है। कटौती रोकने के लिए रोज बिजली की 70 लाख यूनिट अतिरिक्त चाहिए। पर पावर एक्सचेंज व ओपन मार्केट में अधिकतम रेट पर भी बिजली उपलब्ध नहीं है। हालांकि सरकार अभी 12 रुपए प्रति यूनिट की दर पर 200 लाख यूनिट बिजली खरीद रही है, पर वह नाकाफी है।

थर्मल पावर प्लांट से मिलने लगी 5200 मेगावाट बिजली

उत्पादन निगम के प्लांटों से 5200 मेगावाट बिजली मिल रही है। वहीं, 3300 मेगावाट के सोलर पावर प्लांट से केवल 185 लाख यूनिट बिजली मिल रही है। पवन ऊर्जा के प्लांटों की क्षमता तो 2500 मेगावाट है, लेकिन बिजली 15 से 20 लाख यूनिट ही मिल रही है। उत्पादन बढ़ाने की कवायद में आ रही तकनीकी

समस्या के निवारण के लिए उत्पादन निगम के सीएमडी आरके शर्मा शनिवार को सूरतगढ़ पावर प्लांट पहुंचे हैं। उम्मीद की जा रही है कि 250 व 660 मेगावाट की यह यूनिट एक दो दिन में शुरू हो जाएगी। सीएमडी ने अनूपगढ़ हाइडल प्लांट से भी बिजली उत्पादन शुरू किया है।

एक हफ्ते में बिजली उपलब्धता की कोशिश

राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के चीफ इंजीनियर मुकेश बंसल ने बताया, ह्यउत्तरप्रदेश से 1000 मेगावाट बिजली बैंकिंग से ले रहे हैं। एक हफ्ते में पर्याप्त बिजली उपलब्धता करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिमी राजस्थान में हवा नहीं चलने से विंड पावर और दिन छोटे व कुछ इलाकों में बादल छाने से सोलर एनर्जी पर असर पड़ा है।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

वन विभाग को हुई 3 लाख 40 हजार रूपए की कमाई

जयपुर. कासं। पिंकसिटी जयपुर का वाइल्डलाइफ टूरिज्म शहरवासियों का पसंदीदा केंद्र बनता जा रहा है। यही कारण है कि क्रिसमस और संडे के मौके पर शहर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में पर्यटकों की भीड़ उमड़ गई। इस दौरान 4718 लोगों ने बायोलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को करीब से निहारा जिससे वन विभाग को 2 लाख 16 हजार 970 रुपए की आमदनी हुई। इस दौरान 402 पर्यटक शेरों की अठखेलियां देखने के लिए लॉयन सफारी पहुंचे। जिससे वन विभाग को 80 हजार 400 रुपए की आमदनी हुई। जबकि 767 टूरिस्ट हाथी गांव पहुंचे। जहां उन्होंने जयपुर के प्रसिद्ध हाथियों की दिनचर्या को करीब से देखा। इससे हाथी मालिकों को 42 हजार 600 की आमदनी हुई। इसके साथ ही जयपुर के प्रमुख पर्यटक स्थलों पर भी सुबह से शहरवासियों के साथ सैलानियों की भीड़ नजर आई। इस दौरान आमेर, जलमहल, जयगढ़, ईसरलाट, सिटी पैलेस, हवा महल और जंतर मंतर को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान सिर्फ हवामहल को देखने के लिए 9755 देसी, जबकि 78 विदेशी पर्यटक पहुंचे। वही जंतर मंतर को देखने के लिए 8501 देशी और 379 विदेशी पर्यटक पहुंचे। जिससे पर्यटन विभाग को 10 लाख 70 हजार रूपए से ज्यादा की आमदनी हुई है।

शिखर जी हमारी आत्मा, हमारा दिल-सभी जैन संतों व समाज ने कहा शिखर जी हमारा था, हमारा है तथा हमारा रहेगा

सकल जैन समाज का सम्मेद शिखर बचाओ आन्दोलन, मौन जुलूस में उमड़ा जनसैलाब, महावीर स्कूल में आयोजित धर्म सभा में दिगम्बर जैनाचार्य सुनील सागर महाराज सहित श्वेताम्बर जैन संतों ने किया सम्बोधित, जन प्रतिनिधियों ने दिया समर्थन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के सर्वोच्च सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में एवं पवित्र तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग को लेकर पूरे देश में चल रहे अहिंसात्मक आंदोलन की कड़ी में भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं जैन श्वेताम्बर सोसायटी के निर्देशन में जयपुर सहित पूरे राजस्थान में सकल जैन समाज (दिगंबर और श्वेतांबर) के बैनर तले विशाल मौन जुलूस निकाले गए। जुलूस के समापन पर जैन संतों के सानिध्य में धर्म सभा हुई तत्पश्चात विरोध स्वरूप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार के मुख्य मंत्री, सासंद, आदि के नाम से उच्चाधिकारियों को ज्ञापन दिये गये। जयपुर में अग्रवाल कालेज से महावीर स्कूल तक निकले मौन जुलूस में जन सैलाब उमड़ पड़ा। बच्चों से लेकर वृद्धजनों तक सभी सम्मेद शिखर बचाओ की भावना से शामिल हुए। सम्मेद शिखर जैन तीर्थ जो समाज की आस्था का मुख्य केंद्र है को पर्यटक स्थल (पिकनिक स्पॉट) घोषित करने तथा अध्यादेश जारी करने पर सकल जैन समाज का विरोध स्वरूप मौन जुलूस रविवार 25 दिसंबर को राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में लगभग 60 स्थानों पर निकाला गया। समाज के प्रतिनिधियों ने अपने सभी तरह के प्रतिष्ठान बंद रखकर अपना विरोध जताया। आगरा रोड स्थित अग्रवाल कालेज पर से मौन जुलूस प्रातः 9.00 बजे प्रारंभ हुआ जो जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट, एमआई रोड़ , महावीर मार्ग होते हुए सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल में जाकर धर्म सभा में परिवर्तित हो गया। जुलूस में पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र तथा महिला वर्ग-केसरिया साड़ी या केसरिया वस्त्र धारण कर, विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध कर तथा मास्क लगाकर शामिल हुए। जुलूस में सम्मेद शिखर बचाओ से सम्बंधित नारे सम्मेद शिखर हमारा है। प्राणों से भी प्यारा है।।, सम्मेद शिखर को पवित्र तीर्थ घोषित करने की मांग सहित कई कोटेशन लिखी तख्तियां व जैन ध्वज लेकर जैन बन्धु शामिल हुए। जुलूस की व्यवस्था श्री वीर सेवक मण्डल के कार्यकर्ता ने देखी। जुलूस के शुरू में अग्रवाल कालेज में मनीष चौधरी ने मंगलाष्टक उच्चारित किया तथा समन्वय समिति सदस्यों के केसर का तिलक लगाया।गणिवर्य मेहुल सागर महाराज ने मंगल पाठ सुनाकर जुलूस के सफल होने का आशीर्वाद प्रदान किया।

@...पेज 3 पर

दिगंबर और श्वेतांबर जैन संतो और साध्वियों के सानिध्य में विशाल धर्मसभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर स्कूल में दिगंबर और श्वेतांबर जैन संतो और साध्वियों के सानिध्य में विशाल धर्मसभा का आयोजन किया गया। धर्म सभा में दिगम्बर जैनाचार्य सुनील सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज तथा श्वेताम्बर जैन संत गणिवर्य श्री मेहुल प्रभ सागर महाराज, प्रवर्तिनि शशिप्रभा श्री, वैराग्य निधि श्री के मंगल प्रवचन हुए। सभी ने एकमत से कहा कि जैन समाज का प्राण है सम्मेद शिखर,हमारी आत्मा है, हमारा दिल है ।इसे कभी भी अपवित्र नहीं होने देंगे ।इसकी पवित्रता की मयार्दा बनाए रखने के लिए अपने प्राण भी न्यौछावर कर देंगे ।इसे कभी भी पर्यटन स्थल नहीं बनने देंगे। आचार्य सुनील सागर ने कहा कि तीर्थो की प्राचीनता,निर्मलता, पवित्रता बनी रहनी चाहिए। सरकार को जनता की भावना के अनुरूप विकास कार्य करने चाहिए। भगवान महावीर की दो आंखें हैं, दिगम्बर और श्वेताम्बर। दोनों समुदाय आज की तरह तीर्थों की रक्षा के लिए हमेशा एकजूट होकर विरोध करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। आचार्य शशांक सागर महाराज ने जोशीला उदबोधन देते हुए कहा कि सम्मेद शिखर पर वार सहन नहीं होगा। उन्होंने भारत सरकार एवं झारखंड राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि संत व समाज एकजूट हो गया तो ब्रम्हांड के पत्ते हिल जाएंगे ।हम अहिंसावादी है, हमें शांति से रहने दो, हमें क्रांति में आने को मजबूर ना करो अन्यथा पूरे देश में भूचाल आ जाएगा। श्वेताम्बर संत गणिवर्य मेहुल सागर महाराज ने कहा कि तीर्थ स्थान पर जाकर पापों को नष्ट करते हैं, सोचिए यदि वो तीर्थ क्षेत्र पर्यटन स्थल बन जाएगा तो हम आत्मा के उद्धार के लिए कहां जाएंगे ।जैन समाज संस्कारों की पाठशाला चलाता है,जन जन के उत्थान में अग्रणी रहता है, ऐसे सेवाभावी समाज के तीर्थ को पवित्र रखना चाहिए। प्रवर्तिनि साध्वी शशि प्रभा ने कहा कि 20 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि है सम्मेद शिखर। यहां से हमें ऊर्जा मिलती है ।यह सामान्य भूमि नहीं है। इस मोक्षगामी भूमि के लिए हमें कुछ भी चुनौती देनी पड़े, हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। तीर्थों की रक्षा के लिए प्राणों की आहूति भी कम है। साध्वी वैराग्य निधि ने कहा कि सम्मेद शिखर तीथार्धीराज है, जैन जगत का प्राण है ।इस पावन तीर्थ की रक्षा जरुरी है। उन्होंने जैन शब्द की परिभाषा बताते हुए कहा कि जैन पूरे विश्व में सबसे ज्यादा सेवा कार्य करते हैं तथा देश की इकोनोमी में सबसे ज्यादा अपना योगदान देते हैं। सम्मेद शिखर को आमोद प्रमोद का वातावरण नहीं चाहिए। इसे पवित्र तीर्थ क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए। इससे पूर्व धर्म सभा में संत सुधा सागर महाविद्यालय की छात्राओं तथा सुभाष बज ने मंगलाचरण किया। मंच संचालन मनीष बैद ने किया। **जन प्रतिनिधि हुए शामिलः** मौन जुलूस एवं धर्म सभा में कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए जिनमें मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक कालीचरण सराफ, अशोक लाहोटी,रफीक खान,अमीन कागजी, पूर्व विधायक अशोक परनामी, सुरेन्द्र पारीक,उप महापौर पुनीत कर्णावट, पार्षद पारस पाटनी, जितेन्द्र श्रीमाली,राजनैता संजय जैन, सुनील कोठारी, पुष्पेन्द्र भारद्वाज आदि। सभी ने संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा मौन जुलूस मे 8000 मास्क वितरित किए गए 6000 मास्क कमेटी को अलग से दिये

मौन जुलूस मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा कोरोना की गाइड लाइन के मद्देनजर मास्क का वितरण किया । ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका, सचिव अनिल रावका, सयुंक्त सचिव राजेश छाबड़ा, राकेश संघी तथा कोषाध्यक्ष अनिल जैन के नेतृत्व मे सन्मति ग्रुप के सदस्यों ने अग्रवाल कॉलेज, बड़ी चोपड, अजमेरी गेट आदि जगहों पर सभी को मास्क लगाने के लिए प्रेरित किया तथा लगभग 8000 मास्क वितरित किये। उल्लेखनीय हैं कि ग्रुप द्वारा कमेटी को दो दिन पूर्व भी 6000 मास्क वितरण के लिए दिये गये थे जो सभा मे बसों मे आने वाले श्रावको को देने के लिए कमेटी ने बाट दिये थे।

वेद ज्ञान

लगन से जीवन बदल जाता है

इंग्लैंड के महान चिंतक जेम्स मूर ने इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली महिला तैराक के लिए बस इतना ही कहा था कि यह उनकी लगन का प्रतिफल है, अन्यथा संकल्प लेने वालों की कमी नहीं है। छोटा सा शब्द है लगन, पर जिसमें लग जाए, उसका जीवन बदल जाए। इतनी शक्ति है इसमें कि बड़े से बड़ा काम पूर्ण होने में कोई संदेह नहीं और छोटे से छोटा काम भी अपूर्ण रह जाए अगर लगन की अगन नहीं चढ़े। विद्यार्थियों को पढ़ाई की लगन लग जाए तो कभी असफलता उनकी राह में नहीं आएगी। संत पुरुषों में सच्चाई की खोज की लगन रहती है तो वैज्ञानिकों में नई-नई खोजों को पूरा करने का जुझारूपन। ईश्वर से लगन लगाने वाले लोग इतने रम जाते हैं कि कभी वे बहुत भावुक होकर रोने लगते हैं तो कभी नृत्य करने लगते हैं। मीरा को भगवान कृष्ण की भक्ति की जब लगन लग गई तो वह दीवानी बन गई। यह लगन की चरम पराकाष्ठा होती है, जिसके बाद शून्य का वृत आ जाता है। अपने परिप्रेक्ष्य में यह आत्मशक्ति और संकल्पशक्ति से जुड़ा हुआ है। इसलिए पहले छोटे और आसान संकल्पों को पूरा करने का जहमत उठाएं, उसके बाद बड़े अभियान की ओर। लक्ष्य प्राप्ति के बाद खुद की शक्ति का भी मूल्यांकन करें और खुद को शाबाशी दें। होना तो यह चाहिए कि संपूर्ण परिवार का इसमें सहयोग हो जिससे कि राह और आसान हो जाए। सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना बुनने वाले तत्वों में आत्मशक्ति का बहुत प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह आत्म शांति से जुड़ा होता है। कामनाओं की मृगतृष्णा में दौड़ता-हांफता मनुष्य एक उम्र के बाद जान जाता है कि उसकी शक्ति और हुनर किस क्षेत्र में सिद्ध हो सकती है। उस ओर ही लगन लगानी चाहिए। लगन को शौक से अलग परिभाषित किया गया है। शौक कई हो सकते हैं, पर लगन से हर शौक पूरा हो जाए, यह जरूरी नहीं। देश और समाज को क्षति पहुंचाने वाले शौक के लिए लगन लगाना देशद्रोह का सूचक है। ऐसे शौक वर्जित होते हैं। इन्हें कोई कितना भी लगन से पूरा कर ले, वह प्रशंसा का पात्र नहीं हो सकता। अच्छे लक्ष्यों और उद्देश्यों के कारण जो शौक पाले जाते हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय होते हैं।

संपादकीय

भारत में कोरोना संक्रमण की रफ्तार

यह सही है कि भारत में फिलहाल कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी है, लेकिन यह बहुत व्यापक स्तर पर उठाए गए कदमों और बहुस्तरीय सावधानी का एक सकारात्मक हासिल है। यह सुरक्षित स्थिति कायम रहे और इस महामारी से पूरी तरह आजादी मिले, यह सभी की इच्छा होगी। इसके लिए जरूरी है कि जिन उपायों के सहारे हमारा देश कोरोना विषाणु के खतरे की जद से बाहर आ सका है, उनके प्रति अब भी कुछ समय तक लापरवाही नहीं बरती जाए। चीन से अभी जैसी खबरें आ रही हैं, वे चिंता पैदा करने वाली हैं। वहां अचानक एक बार फिर संक्रमण बढ़ गया है और इससे वहां का जन-जीवन बाधित हो रहा है। इसके मद्देनजर भारत में अगर समय रहते कोरोना संक्रमण से बचाव की तैयारी शुरू हो गई है, तो यह उचित ही है। पिछले दो-तीन दिनों में सरकार ने इस मसले पर कई स्तर पर चौकसी बरतने के संकेत दिए हैं। इसी क्रम में गुरुवार को प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से किसी भी तरह की

लापरवाही न बरतने को लेकर आगाह किया और कोरोना के मामलों पर सख्त निगरानी की सलाह दी। दरअसल, चीन, अमेरिका और कुछ अन्य देशों में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के एक नए बहुरूप ओमीक्रान बीएफ.7 के संक्रमण के मामले सामने आए हैं, उससे सभी का चिंतित होना लाजिमी है। करीब तीन साल पहले जब पहली बार चीन के वुहान से कोरोना विषाणु के संक्रमण और उसके जानलेवा खतरों की खबरें आई थीं, तब बहुत सारे लोगों को लगा था कि संभवतः इसका असर चीन तक ही सीमित रहेगा। मगर कुछ ही महीनों के भीतर दुनिया भर में यह विषाणु जिस तरह फैल गया और इसकी जद में आने वाले लाखों लोगों को असमय ही अपनी जान गंवानी पड़ी, उसकी याद आज भी हर व्यक्ति को दहला देती है। इस जानलेवा विषाणु की मार के कई गंभीर दौर आए और उसके बाद भी इसका असर अब तक पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जाहिर है, एक बार फिर चीन और अन्य कुछ देशों से इस विषाणु के नए बहुरूप के फैलने की खबरों के बाद हर तरफ चिंता की लकीरें उग आई हैं। इसलिए प्रधानमंत्री ने इस मसले पर सावधानी बरतने और बचाव के उपायों को लेकर सजग रहने की जो बात कही है, वह वक्त का तकाजा है। संभव है कि कुछ लोगों को लगता हो कि देश में अब कोरोना का जोर कमजोर पड़ गया है। लेकिन इससे बचाव को लेकर सतर्क रहने की सलाह सबके हित में है। राजनीतिक दलों की ओर से चलाए जा रहे अभियानों में भी अपने स्तर पर कुछ सतर्कता बरती जानी चाहिए। इससे अच्छा क्या होगा कि एक बार फिर कोरोना के अन्य बहुरूपों के पांव जमाने से पहले ही उससे बचाव की दीवार खड़ी कर ली जाए, ताकि अतीत में हुए व्यापक जानमाल के नुकसान से लोगों को फिर न गुजरना पड़े। संक्रमण से सुरक्षा के लिए मास्क लगाने और सुरक्षित दूरी बरतने जैसे बहुत साधारण रास्तों के जरिए हालत बिगड़ने से रोका जा सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संवाद से समाधान

वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े मुद्दों पर भारतीय और चीनी सेनाधिकारियों के बीच हुई वार्ता बेशक बेनतीजा रही, मगर इससे उम्मीद बनी है कि दोनों देश आने वाले समय में समाधान के बिंदु पर पहुंच सकते हैं। कुछ दिनों पहले ही तवांग इलाके में दोनों देशों की सेनाओं के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें चीनी सैनिकों को अपने कदम वापस खींचने पड़े। उसके बाद लद्दाख क्षेत्र के लंबित मुद्दों पर दोनों देशों के सेनाधिकारियों ने सत्रहवें दौर की वार्ता शुरू की। वार्ता चीन के इलाके में हुई। गौरतलब है कि दो साल पहले लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना अंदर तक घुस आई थी, जिसे लेकर दोनों देशों के सैनिकों में संघर्ष हुआ और दोनों तरफ के कई सैनिक हताहत हुए थे। उसके बाद उस क्षेत्र में लंबे समय तक तनाव बना रहा। पंद्रह दौर की बातचीत के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकला था। आखिरकार दोनों देशों में अपने सैनिकों को वापस बुलाने पर रजामंदी हो गई। मगर अब भी उस इलाके में कई मुद्दों पर समझौता नहीं हो पाया है, जिसे लेकर अगले दौर की ताजा वार्ता आयोजित की गई। इससे स्पष्ट संकेत है कि दोनों तरफ से किसी तरह का कठोर रुख नहीं दिखाया जा रहा। दोनों समाधान चाहते हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद बहुत पुराना है। चीन अक्सर भारत के हिस्से वाले कुछ इलाकों को अपना बता कर अपनी सेना को इस तरफ रवाना कर दिया करता है। मगर फिर बातचीत के बाद वापस भी लौट जाता रहा है। दोनों के बीच सीमा रेखा को लेकर गफलत बनी रहने से बेवजह तनाव की स्थितियां पैदा हो जाती हैं। अभी तवांग क्षेत्र में चीनी सेना घुस आई तो स्वाभाविक ही भारत में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। संसद में विपक्ष ने सरकार को घेरने का प्रयास किया, मगर यह ऐसा तनाव नहीं था, जिसे दूर करने में सरकार को कोई कूटनीतिक पहल करनी पड़ी। हालांकि सरकार पर दबाव बना हुआ है कि कुछ ऐसे कदम उठाए जाने चाहिए, जिससे चीन अपनी सेना को भारतीय क्षेत्र में प्रवेश से रोक सके। जब भी चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में घुस आते हैं, तब ऐसा ही कड़वा माहौल बन जाता है। चीन की मंशा पर सवाल उठने शुरू हो जाते हैं। उसे सबक सिखाने की नसीहतें दी जाने लगती हैं। मगर लद्दाख क्षेत्र में दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच चली वार्ता से यह तो संकेत स्पष्ट है कि सीमा विवाद को लेकर चीन अपना रुख लचीला बनाए हुए है। दो देशों के बीच सीमाओं के विवाद पेचीदा होते हैं। उन्हें किसी स्थानीय मसलों की तरह नहीं निपटाया जा सकता। चीन और भारत के बीच सीमा का निर्धारण ब्रिटिश हुकूमत के समय हुआ था, जिस पर चीन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। कई इलाकों पर उसके दावे उसी वक्त से बने हुए हैं। ऐसे में उन पर सहमति बनाना खासा जटिल काम है। मगर परेशानी तब खड़ी हो जाती है, जब तय वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार करने की कोशिश की जाती है। दोनों देशों की सेनाओं को उस समझौते का पालन करना ही होगा। वार्ता के इस दौर से उम्मीद बनती है कि इस दिशा में समाधान निकलेगा। चीन भी जानता है कि आज के वक्त में युद्ध की स्थिति पैदा कर कोई देश तरक्की नहीं कर सकता। सीमा पर संघर्ष उसके भी हित में नहीं है। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों देशों के बीच कायम इस संवाद से समाधान भी निकलेगा।

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री-परिषद का विद्वत शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

गणनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के ससंघ सान्निध्य में हो रहा है शिविर

मुरैना. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद का विद्वतशिक्षण -प्रशिक्षण शिक्षण शिविर पूज्य गणनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के ससंघ सानिध्य में ज्ञान तीर्थ मुरैना में आचार्य श्री ज्ञान सागर महाराज जी के आशीर्वाद के साथ आज शुभारंभ हुआ। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ महामंत्री ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत एवं कमल हाथी , पंडित जयंत जैन शिविर संयोजक ने माताजी को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पंडित संजय सिहोनिया, पंडित जयंत सीकर, पंडित श्री कृष्ण धौलपुर, जिनेंद्र शास्त्री,चक्रेश बल्देवगढ आदि विद्वान उपस्थित रहे।शास्त्री-परिषद के अध्यक्ष डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत एवं महामंत्री ब्र. जयकुमार निशांत भैया ने बताया कि शीतकालीन शिक्षण- प्रशिक्षण शिविर में प्रतिदिन न्याय, ज्योतिष एवं दशलक्षण के विशेष आयामों का स्वाध्याय कराया जाएगा। इसमें रुचिवान 50 विद्वान सम्मिलित होंगे, प्रातः 8:00 बजे से, दोपहर 2:00 से एवं संध्या 6:00 बजे से शिविर की कक्षाएं चलेंगी जिसमें रुचिवान श्रावक श्राविकाओं को भी शिक्षण प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। मंच संचालन मनोज जैन आगरा ने किया। पूज्य आर्यिका माताजी ने इस अवसर पर अपने उदबोधन में कहा शिविर की परंपरा सराकोद्धारक आचार्य गुरुदेव ज्ञानसागर जी ने आरंभ की थी, उन के माध्यम से जहां शासन -प्रशासन के अधिकारी शिविरों का लाभ लेते थे वहीं अध्यापक ,अभिभाषक, चिकित्सक एवं जैन समाज की विशेष संस्थाएं इन शिविरों से लाभान्वित होती रही हैं।इस अवसर पर ब्र. अनीता दीदी ने अपने विचार रखे। आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागर जी का स्मरण करते हुए माताजी ने कहा मुझे शिक्षा- दीक्षा का सौभाग्य आचार्य श्री से प्राप्त हुआ है ।आज हमारा दायित्व है हम ज्ञानतीर्थ के पंच कल्याणक को पूरे तन- मन -धन से निष्ठा पूर्वक संपन्न करें। उक्त जानकारी प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ललितपुर ने प्रदान की।

श्री 108 विशल्यसागर जी गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद एवं सन्निध्य में सम्पन्न हुआ श्री 108 सन्मतिसागर विधान

गया. शाबाश इंडिया। बिहार की गया नगरी में आचार्य भगवन सन्मतिसागर महाराज के 12 वें . समाधि दिवस के अवसर पर श्री 108 सन्मतिसागर महामण्डल विधान पू . गुरुदेव के नृतत्व में बड़े ही आनंद और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। सभी इन्द्र -इन्द्राणीओं ने पू . आचार्य भगवान का गुणों का अनुवादन विधान के द्वारा किया इसी बीच पू. गुरुदेव विशल्यसागर जी गुरुदेव की मंगल वाणी सुनने का सुअवसर भी प्राप्त हुआ। पू . गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि महान आचार्यों की भक्ति से तीर्थंकर प्रकृति का बंध होता है और इनकी सातिशय भक्ति ही निधत्ति निकाचित कर्म कट जाते है । पू गुरुदेव ने बताया कि आचार्य सन्मतिसागर जी महाराज के जीवन एक महान व्यक्तत्व का धनी था उन्होंने अपने जीवन काल में महान - महान व्रतों को अंगीकार किया 16 वर्ष की अल्पायु में ब्रह्मचार्य व्रत लेते हि नमक का जीवन भर के लिए त्याग कर दिया जैसे - जैसे वो अपने जीवन में आगे बढ़ते गए उन्होंने कठिन -कठिन व्रतों को जीवन अंगीकार किया।और दीक्षा ग्रहण करते ही षटरस (छह रसों)का जीवन भर के लिए त्याग कर दिया और अन्त समय में छाछ,पानी को छोड़कर सब वस्तु का त्याग कर दिया और समाधि काल के समय छह महिनें तक जल का भी त्याग कर दिया। ऐसे महान आचार्य का जीवन की गौरव गाथा गाने के शब्दकोश में शब्द भी कम पड़ जाएगे।एक ऐसे आचार्य जिनके जीवन काल में अनेकों चमत्कार देखने अपने आँखों से देखने मिलते थे कहते है कि जब सन्मति सागर महाराज ध्यान करते थे उनके पास सर्प आकर खेलते थे आचार्य श्री के जीवन की अनेको घटनाऐ है एक ऐसा महान साधक,संत जिसकी समाधि दिवस हम सब मना रहे है आज वो हमारे बीच नहीं लेकिन उनकी यादे आज भी हमारे ह्रदय में स्थित है।सभी कार्यक्रम संघस्थ अलका दीदी,भारती दीदी के निर्देशन में हुआ।

सेन्ट जॉन्स सीनियर सेकण्डरी स्कूल में वार्षिकोत्सव सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद। स्थानीय मिशन कम्पाउण्ड स्थित सेन्ट जॉन्स सीनियर सेकण्डरी स्कूल में विद्यालय का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्रिसमस पर्व भी धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव समारोह में बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने प्रार्थना नृत्य हर तरफ हर जगह, हर कहीं पे है उसी का नूर, नर्सरी क्लास के बच्चों ने झूमो नाचो खुशी से आज यीशु पैदा हुआ, एल के जी के बच्चों ने यह नन्हे फूल तब महकते हैं, यू के जी के बच्चों ने मार्ग पाया, सत्य पाया, जीवन पर सिर्फ ईश्वर की कृपा से, पहली व दूसरी कक्षा के बच्चों ने आसमां पे नजर आया तेरा जलाल खुदा, राजस्थानी नृत्य अनेकता में एकता, रंगीलो राजस्थान पधारो म्हारे देश व किस्मत की झांकी प्रस्तुत की। इस अवसर पर जिला स्तर पर खेलने गयी 17 वर्षीय टेनिस बॉल क्रिकेट टीम को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्राचार्या सीमा बेप्टिस्ट ने सभी छात्रों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सात दिवसीय श्री समयसार महामंडल विधान झंडारोहण के साथ हुआ शुरू

पिडावा. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में मुमुक्षु मंडल एवं जैन युवा परिषद पिड़ावा के द्वारा आयोजित श्री समयसार महामंडल विधान रविवार को झंडारोहण के साथ शुरू हुआ। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि श्री दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय शहर मोहल्ला में 25 दिसंबर रविवार से 31 दिसंबर शनिवार तक शीतकालीन धर्म देशना के तहत धर्म की प्रभावना एवं निज कल्याण के लिए कलीकाल के सर्वज्ञ आचार्य श्री कुंदकुंद के ग्रंथाधिराज समयसार का मर्म समझने के लिए श्री समयसार महामंडल विधान का आयोजन किया गया है। यह विधान सात दिन तक चलेगा। इस विधान का संपूर्ण कार्यक्रम मनीष शास्त्री के सानिध्य में संपन्न होगा। इसमें जिनवाणी की अविरल धारा को प्रभावित करने के लिए पंडित रजनी भाई दोषी हिम्मतनगर एवं पंडित विक्रांत पाटनी पाटन व स्थानीय विद्वानों का पुण्य लाभ मिलेगा। इस पावन अवसर पर विधान का रविवार को झंडारोहण अमोलकचंद जैन अध्यापक खंडपुरा परिवार की ओर से किया गया है। प्रतिदिन यह होंगे कार्यक्रम आयोजित: सात दिवसीय श्री समयसार महामंडल विधान में प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक नित्य नियम अभिषेक पूजन, 8.30 से 9.30बजे तक शास्त्र प्रवचन, दोपहर 1 बजे से 3.30 तक विधान की पूजन, सांय 6.30 से 7.15 तक जिनेन्द्र भक्ति पाठ, रात्रि 8 बजे से 9 बजे तक शास्त्र प्रवचन, 9 बजे से 9.30 बजे तक प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेगा। इस अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष अनिल चेलावत का सम्मान किया गया। इस दौरान समाज जन प्रदीप जैन, मनिश जैन, नागेश जैन, कमलचंद जैन, मनिष जैन शास्त्री, धनसिहं जैन, सतिश जैन, सन्मति जैन, सुरेश जैन, चिन्मय जैन आदि श्रावक श्राविकाये उपस्थित रहे। अन्त में प्रभावना वितरित की गई।

जैन सोश्यल ग्रुप 'मैन' उदयपुर के चुनाव सम्पन्न

शांतिलाल मेहता, अध्यक्ष, कमल कोठारी सचिव बने

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप 'मैन' उदयपुर की साधारण सभा की मीटिंग में वर्ष 2023- 25 की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा निर्वाचन कमेटी के चेयरमैन श्याम लाल सिसोदिया द्वारा की गई। नव निर्वाचित पदाधिकारी शांतिलाल मेहता,अध्यक्ष , के. एस.नलवाया उपाध्यक्ष, कमल कोठारी सचिव, गौतम नागौरी सहसचिव, राजेंद्र खोखावत, कोषाध्यक्ष, श्रीमती प्रभा जैन- सांस्कृतिक सचिव, गजेंद्र कुमार सुराणा संगठन सचिव, अध्यक्ष ख्यालीलाल सिसोदिया ने बताया कि वर्ष 2021-23 की यादगार-स्वरूप सभी दम्पती सदस्यो के एक- एक कोठी व साडी वितरित की जा रही है। ग्रुप सचिव के एस नलवाया ने बताया कि वर्ष 2022-23 के दोरान 105 सेवाकार्य कुल रूपया 5,35,000 के सभी दम्पती सदस्यों के सहयोग से किये गये। ग्रुप की वर्तमान कार्यकारिणी एवं समस्त दंपति सदस्यों द्वारा नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं चयनित सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं तथा अध्यक्ष एवं सचिव के मार्गदर्शन में ग्रुप फेडरेशन व रीजन स्तर पर नये कीर्तिमान स्थापित करेगा, ऐसी आशा व विश्वास और मंगल कामनाओं के साथ।

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा 262वां भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा ग्रुप का 262 वा भक्तामर स्तोत्र पाठ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर 23 दिन वाला एयरपोर्ट के पास में दिनांक 24 / 12 / 22 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक विमल बाकलीवाल ने बताया कि उक्त कार्यक्रम रात्रि 7_30 बजे पंच परमेष्ठि की आरती के साथ प्रारंभ हुआ। भक्तामर अनुष्ठान ऋद्धि मंत्रो के साथ पूर्ण भक्तिभाव के साथ 48 दीपक प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज व पूर्व अध्यक्ष नितिन पाटनी ने किया। ग्रुप अध्यक्ष महावीर सेठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में बहुत से समाज बंधु व ग्रुप सदस्य गण उपस्थित हुए। ग्रुप द्वारा मंदिर जी हेतु एक बड़ी दीवार घड़ी ग्रुप सदस्य सुनील रेणु बाकलीवाल के सहयोग से भेंट की गई। सभी पधारे हुए श्रावकों का आभार प्रकट किया।

राष्ट्र सन्त ने शांतिनाथ मंदिर में दिये विशेष प्रवचन

संगति को बदलने के लिए सत्संग में जाना पड़ेगा : आचार्य वर्धमान सागर महाराज

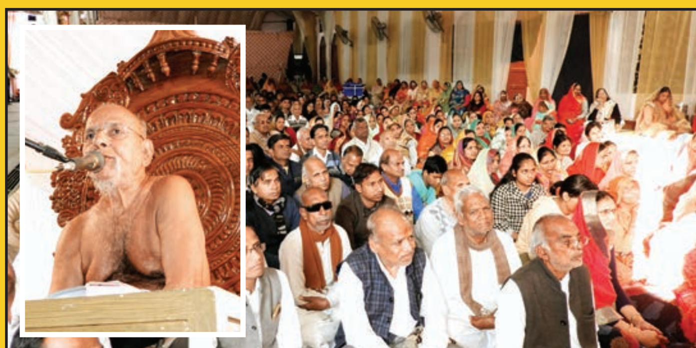

विमल जौंला. शाबाश इंडिया।

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में आयोजित विशेष प्रवचनमाला का आयोजन किया गया जिसमें मंगलाचरण पिंकी जैन ने किया। इस दौरान मुनि हितेंद्र सागर महाराज एवं वात्सल्य वारिधि राष्ट्र सन्त आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने रविवार को विशेष प्रवचन किये। प्रवचनमाला कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्र संत गौरव आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज का रविवार को भक्ति भाव पूर्वक पड़गाहन हुआ। जिसमें शहर के श्रेष्ठी गोपाल लाल शंभु कुमार आशु कुमार जैन कठमाणा वालो के यहां आहार चर्या का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर राष्ट्र संत आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने विशेष धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि संगति को बदलने के लिए सत्संग में जाना पड़ेगा। सीरियल देखने के बजाय आप शास्त्रों को अपना ले तो आपका मानव जीवन सफल के साथ कल्याण हो जाएगा। अपने मानव जीवन को बहुमूल्य बनाना चाहते हो तो धर्म मार्ग में लगा रहना पड़ेगा। आचार्य वर्धमान सागर महाराज रविवार को शांतिनाथ जैन मंदिर में विशेष प्रवचनमाला मे सम्बोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य आचार्य शांतिसागर महाराज ने उनके जीवन में चारित्र जीवन की प्रयोगशाला बनाई थी उन्होंने अपने जीवन में धर्म के लिए सम्पूर्ण भारत में धर्म की अलख जगाई जो आज इतिहास में प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आचार्य शांतिसागर महाराज का समाज के उपर उपकार है जो कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मन को भी पता नहीं चले तब सिद्धियां प्रकट होगी: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

थूवोनजी के लिए भक्तों को किया आमंत्रित

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

हम क्या कर रहे हैं ये मन को नहीं बताना साधु वचन को मोन लेकर वचन गुप्ती कर लेगा हाथ पैर को बांधकर बैठ जाना काया गुप्ति हैं मन तो अपना है उससे क्या छिपाना मन गुप्ति को कर लिया तो ही केवलज्ञान होगा सिद्धिया होगी साधना होगी मन को सिद्ध करने को कहा जिससे आपको याद नही करेगा है इसलिए मन को भी नही बताना हैं मन गुप्ति होने पर सिद्धियां प्रकट होकर केवलज्ञान प्राप्त होता है सावधान उससे रहना है जिसको सब कुछ मालुम है हमारी हर हरकत विचार मन को पता है। मन को कट्रोल कर लिया तो हमारा कुछ नही बिगड़ने वाला इसलिए मन को भी अपनी बात नही सझा करना साधु अपनी बात मन को भी नहीं बताता तब साधु सिद्धिया प्रकट करता है उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुगंव श्री

सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

देवोदय तीर्थ के लिए बुकिंग थूवोनजी कमेटी करेगी

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने जिले की सीमा पर स्थित जाखलौन से लोटकर बताया कि मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में नव वर्ष पर देवोदय तीर्थ देवगढ़ में पांच सौ से अधिक जिन प्रतीमाओ का महा मस्तिकाभिषेक एक व दो तारीख को होगा इसके साथ ही नव वर्ष पर जगत कल्याण के लिए विशेष शान्तिधारा की जायेगी जिसके कलशों की बुकिंग दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू, महामंत्री विपिन सिंघाई, मंत्री विनोद मोदी के पास भक्त कर सकते हैं। इसके पहले अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी पधारने का निवेदन लेकर तीर्थ कमेटी के विजय धुर्रा, संजीव जैन पिपरई, संजय जैन चन्देरी के नेतृत्व में भक्तों ने श्री फल भेंट कर मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

हम अपने नहीं परायों के संबंध में अधिक सोचते हैं

उन्होंने कहा कि जितना हम दुश्मनों के संबंध में सोचते हैं जो हमारे नहीं है पराये हैं उनके के संबंध में सोचते हैं उतना यदि भगवान के संबंध में अपने गुरु महाराज परिवार के लिए सोचने लग जाये तो बहुत सारी शक्तियों को उजागर कर सकते हैं कर लेंगे लेकिन हमें अपनों के संबंध में सोचने की फुर्सत ही नहीं है यहां वहां को छोड़कर अपने के लिए सोचें। उन्होंने कहा कि संसार बुरा नही जितना संसारी बुरा है शराब बुरी नही शराबी बुरा है, बुराई बुरी नही बुराई को धारण करने वाला बुरा हैं।

जैन समाज ने निकाला मौन जुलूस, एस.डी. एम. को दिया ज्ञापन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सकल जैन समाज कुचामन सिटी द्वारा 20 तीर्थंकरों एवं अन्तान्त मुनिराजों की परम पवित्र तीर्थक्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में जबरदस्त आक्रोष व्यक्त किया गया। आयोजक संस्था श्री जैन वीर मण्डल के अध्यक्ष सौभागमल गंगवाल ने बताया कि इस प्रदर्शन में कुचामन सकल जैन समाज के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र नांवा, मीठड़ी, लीचाणा, पलाडा, पांचवा, कुकनवाली, भांवता, लीचाणा, जिलिया, लादड़ीया आदि सकल जैन की महिलाएं एवं समाज के सदस्य उपस्थित रहे। मण्डल के मंत्री सुभाष पहाड़िया ने कहा कि जैन समाज एक अहिंसक व शांतप्रिय समाज है उसे के अनुरुप बड़ी संख्या में उपस्थित महिला, पुरुष, एवं युवा वर्ग ने अजमेरी व नागौरी मन्दिरजी पुरानी धान मण्डी से 1008 महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर डीडवाना रोड़ तक अनुशासित मौन जुलूस निकाला। जिसमें बड़ी संख्या में तीर्थराज सम्मेद शिखर की पवित्रता को कायम रखने के लिए नारों के रुप में तख्तीया, एवं झण्डे व बैनर हाथों में लिए हुए थे। महावीर मन्दिर में एस.डी. एम. बाबुलाल जाट को शांतिपूर्वक ज्ञापन सौपा गया। एस.डी. एम. साहब ने कहा कि हम आपकी भावनाऐं राज्य सरकार के मार्फत झारखण्ड सरकार व केन्द्रीय सरकार तक पहुचायेगें। मन्दिर जी के प्रांगण में सभा को संबोधित करते हुए एस.एम.एस. हॉस्पिटल जयपुर के सेवारत हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सुनिल जैन ने कहा कि मुगल सल्तनत, अंग्रेज साम्राज्य एवं अन्य किसी भी आक्रमणकारी आततायी ने इस पवित्र तीर्थराज की पवित्रता नष्ट करने का प्रयास नहीं किया किन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है आजाद भारत के जनता द्वारा चुनी हुई झारखण्ड सरकार ने इस दमनात्मक कार्य किया है, सम्मेद शिखर जी की आस्था हीं नहीं अस्मिता का प्रतीक है। इसे हम पर्यटन स्थल द्वारा अपवित्र किये जाने को सकल जैन समाज कभी सहन नहीं करेगी। अजमेरी मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष जयकुमार पहाड़िया, नागौरी मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुमेरमल बज, महावीर मन्दिर समिति के अध्यक्ष लालचन्द पहाड़िया, श्री जैन वीर मण्डल के अध्यक्ष सौभागमल गंगवाल, जे. डी. जैन विद्यालय के अध्यक्ष कमलकुमार पहाड़िया, नावां से नवीन गोधा, मीठडी से स्वरुप चन्द जैन, लीचाणा से जयकुमार जैन, पलाड़ा से सुभाषचन्द जैन, लादडीय़ा से मुकेश जैन, जिलिया से उजास जैन, पंचावा से कपुर चन्द जैन, कुकनवाली से जम्बुकुमार जैन, भांवता से अमित जैन, के सानिध्य व कुचामन से चिरंजीलाल पाटोदी, नथमल गंगवाल, पवन गोधा, सुभाष रावंका, अशोक गंगवाल, अजितकुमार जैन, देवेन्द्र पहाड़िया, विनोद जैन, अशोक जैन, सुरेश जैन, प्रमोद पाण्ड्या, कैलाश चन्द जैन, प्रदीप जैन, अशोक झांझरी, अनिल जैन, महिला व जैन समाज के सामाजिक संगठनों के हजारों की संख्या में मौन जुलूस व समाज बन्धुओं ने ज्ञापन दिया।

श्री महावीर कॉलेज में "बिजनेस क्विज" का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर कॉलेज में शनिवार दिनांक 24 दिसंबर 2022 को महावीर सभागार में **"Business Quiz & Inter-Collegiate Tournaments Certificate Distribution Ceremony"** का आयोजन किया गया। बिजनेस क्विज में कॉलेज के 31 ग्रुप्स ने भाग लिया। इसके अंतर्गत छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रकार के लिखित एवं मौखिक टेस्ट से गुजरना पड़ा। कॉलेज प्राचार्य डॉ. आशीष गुप्ता ने कहा कि हम विद्यार्थियों के सामान्य एवं विशिष्ट ज्ञान, कौशल एवं योग्यता का परीक्षण एवं मूल्यांकन करने हेतु इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन कराते हैं।प्रतियोगिता छ चरणों में आयोजित की गई Business Current Affairs, Tag Lines, Logo Identification, Abbreviations, Identify the Brand Ambassadors. इस प्रतियोगिता में बीसीए प्रथम के सम्यक जैन, हिमांशु गुप्ता, लवेश घीया, खुशी चौहान की टीम प्रथम स्थान पर बीसीए द्वितीय के शिवांश पारीक, जसवंत सिंह, आयुष ममोरिया, भरत वशिष्ठ की टीम द्वितीय स्थान पर तथा बीकॉम द्वितीय के मोहम्मद अजद फारुकी, मेघना रघानी, गर्वित डोराया, देव जैन की टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रत्येक विजेता टीम को नकद पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में इंटर कॉलिजिएट टूर्नामेंट के विजेता छात्रों को भी सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं प्रेषित की।

भगवान चंद्रप्रभु की शांतिधारा की, श्रद्धालुओं ने लगाई 108 परिक्रमा

भगवान चंद्रप्रभु के जयकारे से गूंजा नसिया परिसर

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया तेरापंथीयान चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में रविवार को वार्षिक उत्सव मनाया गया। वार्षिक उत्सव के अंतर्गत नसियां परिसर में रविवार प्रातः भगवान चंद्रप्रभु, शांतिनाथ, आदिनाथ, पारसनाथ का अभिषेक एवं शांति धारा की गई क्षीर सागर से जल लाकर भगवान चंद्रप्रभु की जयकारो के साथ वृहद शांति धारा की गई। तत्पश्चात नित्य नियम पूजा, चंद्रप्रभु भगवान पूजा, पारसनाथ भगवान पूजा, शांतिनाथ भगवान पूजा एवं 24 तीर्थंकर की पूजा कर अर्ध्य एवं श्रीफल चढ़ाए गए। समाज के प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि वार्षिक उत्सव के अवसर पर नसिया परिसर को दुल्हन की भांति सुंदर सजाया गया। श्रद्धालुओं द्वारा नसिया परिसर की 108 परिक्रमा लगाई गई श्रद्धालु भक्ति भाव एवं भजन गाते हुए चल रहे थे भक्तजन भगवान चंद्रप्रभु के जयकारे लगाते हुए णमोकार मंत्र का जाप करते हुए विनतीया गाते हुए हाथों में अष्ट द्रव्य लिए हुए चल रहे थे। परिक्रमा करते हुए श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में नेवैद्य समर्पित किया नसिया समिति के अध्यक्ष देवराज काला, मंत्री चेतन बिलासपुरिया द्वारा श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। परिक्रमा कार्यक्रम में कविता, तृप्ति, संजू, इंदिरा, बीना, चमेली, सोना, संगीता, पायल, मंजू, रिंकू, अनीता, सुनीता, निर्मल, राजेश, देवराज, चेतन, राहुल, मनीष, प्रदीप, पारस, राकेश, मनोज, नरेंद्र सहित निवाई जयपुर कोटा आदि के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 108 परिक्रमा लगाने वाले श्रद्धालुओं को लकी ड्रा के माध्यम से रानी सोनी

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन समाज के पवित्र स्थल सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित करने से जैन समाज नाराज

सोमवार को सकल जैन समाज निकालेगा विशाल मौन जुलूस, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम दिया जाएगा ज्ञापन

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 20 तीर्थंकरों एवं करोड़ों मुनियों की निर्वाण स्थली पवित्र सम्मेद शिखरजी को इको पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के केंद्र सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के खिलाफ सकल जैन समाज गंगापुर द्वारा सोमवार 26 दिसंबर को विशाल मौन जुलूस निकाला जाएगा एवं माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री झारखंड सरकार मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार एवं केंद्रीय पर्यटन मंत्री के नाम उप जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा। शिखरजी बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक रितेश पल्लीवाल एवं विमल जैन गोधा ने बताया कि सम्मेद शिखर जी की पवित्रता पर आए इस संकट के के बारे में बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन जिसमें झारखंड राज्य के गिरिडीह जिले में स्थित जैनियों के सबसे पवित्र स्थल पर्वत सम्मेद शिखर जी को पर्यटन क्षेत्र बनाए जाने की घोषणा है के कारण भारत के पूरे जैन समाज में बहुत ज्यादा नाराजगी एवं आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सरकार का फैसला एकतरफा है केंद्र सरकार ने इसके बारे में ना तो जैन समाज से बातचीत की ना ही कोई नियम अनुसार कार्रवाई की। इस कारण आज पूरे भारत में जैन समाज सड़कों पर आकर जुलूस धरने प्रदर्शन कर रहा है। गंगापुर सकल जैन समाज द्वारा सोमवार 26 दिसंबर को विशाल मौन जुलूस आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से सुबह 9:00 बजे प्रारंभ होगा जो कि जैन स्थानक, बालाजी चौक, चौपड़, खारी बाजार देवी स्टोर चौराहा, सब्जी मंडी होते हुए उप जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगा। वहां पर उप जिला कलेक्टर महोदय को सकल जैन समाज की ओर से केंद्र सरकार द्वारा सम्मेद शिखर जी को इको पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में ज्ञापन दिया जाएगा।

मेगा चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

25 दिसम्बर, रविवार को श्री महावीर दि. जैन मंदिर, मुरलीपुरा पार्क में नारायणा हॉस्पिटल, श्री महावीर दि. जैन मंदिर सेवा समिति व दि. जैन सोश्यल ग्रुप वीर के संयुक्त तत्वावधान में मेगा बहुद्देशीय चिकित्सा जांच व परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज - रेखा जैन ने बताया कि इस शिविर में नारायणा हॉस्पिटल के साथ ही अरञ्ज आई हॉस्पिटल, क्लोव डेंटल, शेखावटी आई वी एफ हॉस्पिटल, बी. एम. न्यूरो हॉस्पिटल ने भी सहयोग किया। शिविर के माध्यम से 711 रजिस्टर्ड मरीजों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर के मुख्य अतिथि नरपत सिंह राजवी, विधायक (विद्याधर नगर विधान सभा क्षेत्र) थे। दीप प्रज्वलन निरंजन कुमार, नितेश, योगेश पहाड़िया ने किया। वीर ग्रुप के सचिव पंकज - कशिश जैन ने बताया कि शिविर में सभी मरीजो की पूरे शरीर की सिर से लेकर पैरों तक कि सम्पूर्ण जांच निःशुल्क की गई, साथ ही मरीजों ने अपनी बीमारियों से सम्बंधित जांच करा कर शिविर में उपस्थित विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। दि. जैन सोश्यल ग्रुप वीर, जयपुर इस तरह के मेगा चिकित्सा शिविर मानव सेवार्थ लगाता रहता है। इस मेगा शिविर में विशिष्ट अतिथियों में कमल कुमार प्रभाचन्द नरेश चाँदवाड़ (के एम टी ग्रुप), नंदकिशोर प्रमोद पहाड़िया (ऐ आर एल इंफ्राटेक ग्रुप), चन्द्र प्रकाश सैनी (उपाध्यक्ष - भा. ज. पा. जयपुर शहर), विजय कुमार शर्मा (मंडल अध्यक्ष - भा. ज. पा - मुरलीपुरा), श्रीमती अनुराधा माहेश्वरी, यशकमल अजमेरा, निर्मल संघी, पारस कुमार जैन, धरमचंद बड़जात्या, श्रीमती ममता शर्मा, मनोज कुमार शर्मा एडवोकेट, एवं मुरलीपुरा व विद्याधर नगर क्षेत्र के सभी सम्मानित पार्षदगण व श्रीमती हेमलता चौहान, श्रीमती सुनीता चौहान, श्रीमती निशा जांगिड़ की उपस्थिति रहे। साथ ही इस शिविर के सफल आयोजन में सुरेश चंद जैन, आशीष जैन, अमित जैन, सुनीता जैन, नीलम जैन, कोमल जैन, मोहित जैन का विशेष सहयोग रहा।

भारतीय जैन मिलन की राष्ट्रीय बैठक सम्पन्न

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। चम्बल नवराष्ट्र भारतीय जैन मिलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक शनिवार को ग्वालियर में संपन्न हुई, सभा की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन ने की तथा संचालन राष्ट्रीय महामंत्री मनोज जैन ने किया सभा का शुभारंभ ध्वजारोहण के पश्चात भगवान महावीर की प्रार्थना से किया गया बैठक में देश भर से आए जैन मिलन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची बीड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन गुना ने कहा कि समाज सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं हो सकता जैन धर्म अनादि अनंत धर्म है अहिंसा एवं शाकाहार जैनत्व के मूल संस्कार है हमें अपने तीर्थो की रक्षा करनी है, आज हमारे तीर्थ अपने पवित्र अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्षरत हैं हमें सक्रिय भागीदारी कर अपने जैन होने पर गर्व करना हैं। गत 18 दिसम्बर को मुनि श्री विहर्ष सागर जी के सानिध्य में दिल्ली के लालकिला प्रांगण में इस हेतु आयोजित रैली की विस्तृत जानकारी दी बैठक को राष्ट्रीय मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष नरेश चंद जैन देहरादून, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र जैन एडवोकेट, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय जैन राघोगढ़, मंत्री कमलेन्द्र जैन, चेयरमेन फाउंडेशन नरेश चंद जैन ने भी सम्बोधित किया।

भीलवाड़ा के छात्रों का अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय जुड़ो प्रतियोगिता में चयन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। स्थानीय संगम विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों का अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय जुडो प्रतियोगिता में चयन हुआ। खेल प्रभारी संजय शर्मा ने बताया संगम विश्वविद्यालय के चयनित छात्रों का दल इस प्रतियोगिता में संगम विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। नरेन्द्र बैरवा, दुष्यंत शर्मा, राम लाल बलई लवली प्रोफेसिनल यूनिवर्सिटी ,जालंधर में दिनांक 2 जनवरी से होने वाली इस प्रतियोगिता में टीम का हिस्सा होंगे। संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो करुणेश सक्सेना, रजिस्ट्रार प्रो.राजिव मेहता,डीन रिसर्च डॉ. राकेश भंडारी ने खिलाड़ियों को खेल भावना एवं अनुशासन की भावना को बनाये रखने एवं विश्वविद्यालय में खेल को बढ़ावा देने पर जोर दिया एवं शुभकामनाएं दी।

लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई परिक्रमा

बाबा भैरव के जयकारों से गूंजा राजगढ़ धाम, राजगढ़ धाम पर महाकुम्भ, लाखों की संख्या में उमड़े श्रद्धालु

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद । श्री मसाणिया भैरवधाम चैरिटेबल ट्रस्ट राजगढ़ के तत्वावधान मे ग्राम राजगढ स्थित श्री मसाणिया भैरव धाम पर मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की 20 वीं वर्षगांठ का महोत्सव रविवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ बाबा भैरव व माँ कालिका के जयकारों के बीच मनाया गया। धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि मंदिर में प्रातः मनोकामनापूर्ण स्तम्भ पर पंडित सत्येन्द्र शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाराज व मुख्य अतिथि के सानिध्य में हवन-यज्ञ हुआ। हवन की पूणार्हुती के बाद माँ कालिका व बाबा भैरव की व गुरू आरती हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य स्तरीय पुलिस जवाबदेही समिति के अध्यक्ष एच आर कुडी , ठा.प्रेम सिंह गौड़ राजगढ़ एवं पूर्व शिक्षा मंत्री नसीम अख्तर, महेन्द्र सिंह रलावता तथा अन्य अतिथियों द्वारा मंदिर पर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर भैरवधाम पर प्रदेश के कई मंत्री, विधायक, प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस के आलाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में भीड़ का आलम यह था कि श्रद्धालुओं की संख्या डेढ लाख के आंकड़े को भी पार कर गई। श्रद्धालु सायंकाल आरती तक धाम पर आकर परिक्रमा करते रहे और बाबा भैरव व माँ कालिका के समक्ष शीश झुकाकर चम्पालाल महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते रहे। ठा. प्रेम सिंह गॉड , कमल नागोरा , श्याम सेन , महावीर सेन , मांगीलाल , मुकेश माली , पांचू लाल , मुकेश खींची , तेजमल , शंकर आदि के तत्वावधान व राजगढ़ के समस्त ग्राम वासियों की तरफ से महाराज का शाफा शाल व 151 किलो की माला पहनाकर भव्य स्वागत सत्कार किया गया। मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर चम्पालाल महाराज ने धाम पर आने वाले समस्त श्रृद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो भरण पोषण करे वही भैरव है।₹भगवान देता है, लेता नहीं₹ राजगढ़ धाम पर आज तक भी कोई भिखारी मंदिर के बाहर भीख मांगता नजर नहीं आया है ।क्योंकि भिक्षावृत्ति समाज व हमारे देश के लिए अभिशाप के रूप में न उभरे जिसके लिए धाम पर देने वाला बाबा भैरव इतना मजबूत है कि भिखारी की भी तमाम आवश्यकताएँ की पूर्ति कर देता है ।जिससे उनकी भिक्षावृत्ति की प्रवृत्ति समाप्त हो जाती है। भिक्षावृत्ति उन्नमूलन अभियान राज्य सरकार चला रही है ।जबकि राजगढ़ भैरव धाम पर पिछले कई वर्षों से यह अभियान अनवरत जारी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य स्तरीय पुलिस जवाबदेही समिति के अध्यक्ष एच आर कुडी ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजगढ़ धाम राजस्थान ही नहीं अपितु पूरे भारतवर्ष में अद्भुत ख्याति प्राप्त देवस्थान है ।जहाँ चम्पालाल महाराज श्री निस्वार्थ भाव से मानव जीव प्राणी की सेवा कर रहे है । जिसका बखान शब्दों के माध्यम से नहीं किया जा सकता है। धाम पर मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की 20 वीं वर्षगांठ पर राज्य स्तरीय पुलिस जवाबदेही समिति के अध्यक्ष एच आर कुडी, सासंद पूर्व संसदीय सचिव कैलाश वर्मा, पूर्व मंत्री व विधायक अनिता भदेल, पूर्व शिक्षा मंत्री नसीम अख्तर, पींडवाडा अबू विधायक समाराम गरासिया, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लाम्बा, सुरेन्द्र सिंह शेखावत पूर्व सभापति नगर परिषद अजमेर, प्रदेश कांग्रेस सचिव महेन्द्र सिंह रलावता, पूर्व चैयरमेन सचिन सांखला, विकास चौधरी किशनगढ, राजेन्द्र राठौड़ अति. आयुक्त आबकारी अजमेर संभाग, एन.एल. राठी सचिव अजमेर डिस्कॉम, अंशुल आमेरिया उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद,हितेश चौधरी मेला मजिस्टेड व तहसीलदार नसीराबाद,राजेन्द्र कड़ी सहायक अभियन्ता एडीए,विपुल सेनी कनिष्ठ अभियन्ता सराधना ने भी मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की परिक्रमा की तथा बाबा भैरवनाथ एवं चम्पालाल महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

तुलसी दिवस व क्रिसमस दिवस मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम भवानीखेड़ा स्थित न्यू संस्कृति स्कूल व बालाजी आईटीआई में शनिवार को तुलसी दिवस व क्रिसमस पर्व मनाया गया। आईटीआई के संस्थापक योगेश सोनी व प्राचार्य कपिल शर्मा व न्यू संस्कृति स्कूल की प्राचार्य नेमलता सोनी ने हिंदू संस्कृति के अनुसार तुलसी दिवस की जानकारी दी व क्रिसमस पर्व के बारे में बताया। इस अवसर पर आईटीआई व स्कूल स्टाफ उपस्थित था।

क्या यहां फिर पहले की तरह कोरोना फैल सकता है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

जयपुर. शाबाश इंडिया। कोरोना सर्दी जुकाम का एक रूप है जो पर्याप्त स्वस्थ होने पर आपका कुछ खास नहीं बिगाड़ सकता लेकिन सामाचार चैनलो के भ्रामक प्रचार हमारी आपकी जिंदगी के लिये जानलेवा हो सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि कुछ खास जरूरत नि हो तो समाचार चैनलो को बंद रखें। वरना सभी राज्यों यथा यूपी बिहार भी एक जवां आबादी वाले प्रदेश हैं जहां कोरोना से खास फर्क नहीं पड़ना चाहिये ठीक वैसे ही जैसे कि बाकि नेपाल अफगानिस्तान पाकिस्तान बांग्लादेश आदि देशो में था। पर यहां टीवी चैनलो ने टीआरपी के चक्कर में जिस तरह इस बीमारी को हौव्वा बनाया और लोगो के घरो में पूजा आरती के बजाय श्मशान घाट का सीधा प्रसारण शुरू कर डाला था वो वास्तव में खतरनाक था। इससे आम जनता में जो डर फैला था उसकी वजह से जाने कितनी मौते हुई। लोग कोरोना से कम कोराना के वजह से फैली अव्यवस्थाओं के कारण ज्यादा मरे थे। जाने कितने बी बीपी के मरीज दिल में समाये हदस से और टीबी या दमें के मरीज मास्क के अंदर खांसते खांसते दम घुटने से मर गये। जाने कितने जरूरतमंद ईलाज के अभाव में छोटी मोटी बीमारियों स्त्री मर गये। बहुतेरे गरीब पागलो की तरह रेमडिसीवर जैसे इंजेक्शनों की मारामारी में जिंदगी की सारी पूंजी लुटा सड़क पर आ गये और बाद में पता चला इसका कोई खास फायदा ही ना था।

जैन समाज सुजानगढ़ ने विशाल मौन जुलूस निकाला

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

जैन धर्म की आन बान शान का प्रतीक श्री तीर्थराज श्री सम्मेद

शिखर जी(झारखंड) को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने के विरोध में श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ द्वारा विशाल मौन जुलूस निकाला गया। जिसमे सैकड़ों की संख्या में जैन समाज के महिला व पुरुष वर्ग की उपस्तिथि रही। मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड स्थित पारसनाथ पर्वत (सम्मेद शिखर) जैन समुदाय का सर्वोच्च आस्था का केंद्र है। झारखंड सरकार द्वारा उसे पर्यटन क्षेत्र घोषित करने से जैन समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस संबंध में 10:00 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर से विशाल मौन जुलूस निकाला। जिसमे पुरुष श्वेत वस्त्र व महिला गुलाबी परिधान में हाथों में तख्तियां एवं जैन ध्वज लिए चल रही थी। तख्तियों में ''सम्मेद शिखर बचाओ'', 'धार्मिक स्थल घोषित करो' 'तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ' पर्यटन स्थल का कानून रद्द करें के नारे लिखे हुए थे। जुलुस नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचा। श्री दिगम्बर जैन समाज के मंत्री पारसमल बगड़ा, उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, उपमंत्री रौनक पांड्या,महिला मंडल की अध्यक्ष ललिता देवी बगड़ा, मंत्री मैना देवी पाटनी, के नेतृत्व में उप जिला कलेक्टर भागीरथ चौधरी को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री, झारखंड के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पारसनाथ पर्वतराज को वन्यजीव अभ्यारण, पर्यावरण पर्यटन के लिए घोषित इको सेंसेटिव जोन के अंतर्गत जोनल मास्टर प्लान व पर्यटन प्लान पर्यटन की सूची से बाहर किया जाए। 20 जैन तीर्थंकरों और अन्य साधु संतों की मोक्ष स्थली श्री सम्मेद शिखरजी पारसनाथ पर्वतराज गिरिडीह (झारखंड) की स्वतंत्र पहचान, पवित्रता संरक्षण व सरकार की अनुशंसा वाली अधिसूचना को रद्द करने व पारसनाथ पर्वतराज और मधुबन को मांस मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र जैन तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग ज्ञापन में की गई हैं। झारखंड सरकार की सद्बुद्धि के लिए जैन समुदाय के लोगो ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर णमोकार महामंत्र का जाप किया। इस अवसर पर खेमचंद बगड़ा, विमल पाटनी,निहालचंद बगड़ा, संतोष गंगवाल, पारसमल सेठी, सरोज पाटनी, संतोष कुमार बगड़ा,कमल कुमार छाबड़ा, सुरेंद्र बगड़ा, मुकेश कुमार बगड़ा, महक पाटनी,मनीष बगड़ा, नवीन बगड़ा, मखनलाल सेठी,चंचल गंगवाल, सुरेंद्र सोगानी,विनीत बगड़ा, मोहित सेठी,मितेश सेठी, अमन बगड़ा, सुरेश छाबड़ा, पार्षद उषा बगड़ा, गणपति देवी बगड़ा, प्रेमलता देवी बगड़ा,मंजू देवी बाकलीवाल, मंजू देवी पाटनी, प्रीति बगड़ा, शकुंतला बगड़ा, रानी पांड्या, वीणा देवी छाबड़ा, प्रीति छाबड़ा, सोनिया बगड़ा, पायल सेठी सहित सैकड़ों की संख्या में जैन समुदाय के लोग उपस्थित थे।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करने का कारगर तरीका कौन सा है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

शुगर का मतलब है समय से पहले बुढ़ापा आना। हर स्वादिष्ट चीज में शुगर होती है जीवन में स्वाद नहीं है तों जीना बेकार है। मीठा खाने का मन तभी करता है जब शुगर बढ़ी हों। अपनी शुगर इतना नीचे लायें की मीठा खाने की इच्छा बहुत कम हों। शुगर टेस्ट का बेहतर तरीका यही है की मीठा खाने का मन ना करें और रात्रि में पेशाब एक बार ही आनी चाहिये। डाक्टर के पास ना जायँ। रोज सुबह दौड़ लगायें क्योंकि यह सबसे सरल और बेहतर उपाय है।अधिक उम्र वाले तुरंत दौड़ नहीं लगा पाते उनको इतनी दूर तक पैदल चलना चाहिये जितने में पैर लड़खड़ाने लगे उसके बाद दौड़ लगाएंगे तों पैर सामान्य हों जाएंगे। ध्यान रहें जंहा पैर लड़खड़ाने लगे वंही से घर के लिये या उस जगह के लिये वापसी करें जंहा से चले थे। दौड़ते वक्त मुट्ठी बंद ना करें क्योंकि मुट्ठी बंद करने से पैरों पर दबाव पड़ता है। रात को खाना खाने के तुरंत बाद ना सोयें। रात्रि का खाना 7 या 8बजे खा लें ताकि 2घंटे से पूर्व नींद ना आये। ध्यान रहें दौड़ लगाने से शुगर एक दिन में ही कंट्रोल हों जाती है जबकि योग करने से महीनें भर बाद में यह दुविधा रहती है की कौन सा योग करूँ। 70साल का बुड्ढा हल्की दौड़ लगा सकता है लेकिन सरल से सरल योगासन भी नहीं कर सकता।

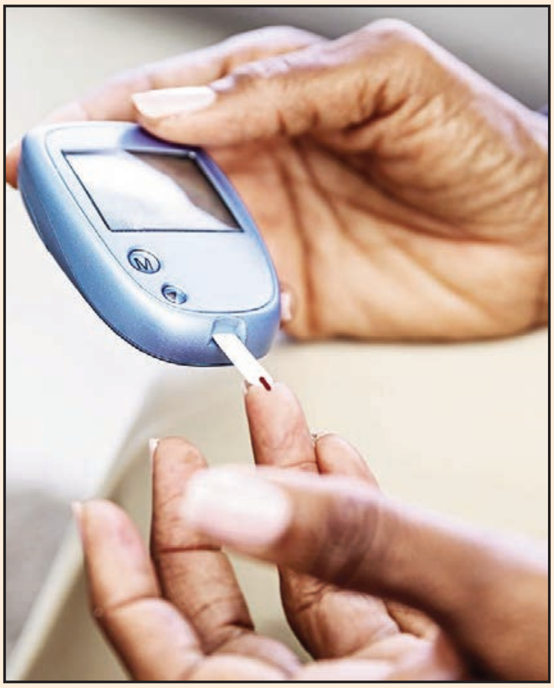

सिल्वर स्टार कान्वेंट स्कूल द्वारा स्टूडेंट मैराथन का आयोजन किया गया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद के सिल्वर स्टार कान्वेंट स्कूल द्वारा स्टुडेंट मैराथन का आयोजन किया गया। इस मैराथन में सरस्वती बाल निकेतन संस्था की तीनों शाखाएं सरस्वती प्राइवेट आई.टी.आई , सिल्वर स्टार कान्वेंट स्कूल और सरस्वती बाल निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सभी विद्यार्थियो ने भाग लिया। मैराथन का आयोजन महान भारतीय गणितज्ञ ''श्रीनिवास रामानुजन'' के जन्मदिवस पर उन्हे याद करते हुये रखा गया। मैराथन का नारा 'रन फॉर इन्फिनिटि' रखा गया। मैराथन सरदार पटेल गार्डन नसीराबाद (डाक बंगला) से शुरू होकर नेहरू गार्डन (श्री नवलराम जी बगीची) तक रखी गयी थी। मैराथन का उद्येश्य विद्यार्थियो को गणित व विज्ञान के क्षेत्र मे ज्यादा से ज्यादा रुचि बढ़ाना है । मैराथन की शुरूआत मुख्य अतिथि भूतपूर्व विधायक व वर्तमान पी सी सी सचिव महेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गयी। इस मैराथन का आयोजन संस्था अध्यक्ष श्रीमति सम्पत यादव व सचिव हिमांशु यादव के निर्देशानुसार किया गया जिसका सफल संचालन प्राचार्य श्रीमति अर्चना यादव व मैनेजर सिद्धार्थ आनंद शर्मा द्वारा किया गया। शिक्षिका निधि मिश्र ने कार्यक्रम का उत्कृष्ट मंचन किया। साथ ही सरस्वती बाल निकेतन संस्था के सभी शिक्षकगण व अन्य स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा । मैराथन का आयोजन सफल रहा।

दौसा जैन समाज का मौन जुलूस

दौसा. शाबाश इंडिया। जैन समाज के 20 तीर्थंकरों की एवं अनंत जैन संतों की मोक्ष स्थली पावन सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर पारसनाथ पर्वत राज, गिरिडीह (झारखण्ड) की स्वतंत्र पहचान ,पवित्रता और संरक्षण हेतु विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित देशव्यापी श्री सम्मेदशिखर जी बचाओ आंदोलन के समर्थन में दिनांक 25 दिसम्बर रविवार को प्रातः 8.30 बजे सकल जैन समाज दौसा द्वारा श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से जिला कलेक्ट्रेट तक मौन जुलूस निकाला गया। जैन समाज के अध्यक्ष अलोक जैन ने बताया कि समाज के सभी महिला,पुरुष,बुजुर्ग, युवा वर्ग मौन जुलूस मे शामिल हुए तत्पश्चात प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया।

जरूरतमंदों की सेवा करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य: शाह

नेकी की दीवार कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भामाशाह समाजसेवी कर रहे है सहयोग, बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को मिल रहा है लाभ, 31 जनवरी तक जारी रहेगा नेकी की दीवार कार्यक्रम।

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया।

नावा सिटी। उपखंड मुख्यालय पर नावां सोशियल सर्विस सोसाइटी,नावां स्टुडेंट क्लब, फ्रेंड्स क्लब के संयुक्त तत्वाधान में तहसील कार्यालय के पास चल रही नेकी की दीवार कार्यक्रम में गुरुवार को भामाशाह समाजसेवी राजकुमार माली मारोठ व गजेंद्र सिंह भगवानपुरा द्वारा 15 जोड़ी कुर्ता पजामा, 10 जोड़ी पैंट शर्ट, 10 साड़ी, दो जाकेट, 10 जोड़ी जूते, 10 जोड़ी चप्पल इत्यादि सामग्री नेकी की दीवार कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों को वितरण की गई ।सोसाइटी के अध्यक्ष लुकमान शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजाना सैकड़ों जरूरमंद इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो रहें हैं। नेकी की दीवार 31 जनवरी तक जारी रहेगी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि जरूरतमंदों की सेवा करना इस कार्यक्रम से सैकड़ों जरूरतमंद लोग लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम में भामाशाह भी दिल खोल कर सहयोग कर रहे हैं। इस दौरान नावा सोशल सर्विस सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष लुकमान शाह, स्टूडेंट क्लब के संयोजक बाबूलाल बरवड, सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

झड़वासा शाला विकास और प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को प्रधनाचार्य कौशल्या यादव की अध्यक्षता में शाला विकास और प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में शाला विकास और प्रबंधन समिति के पटल पर प्रधानाचार्य कौशल्या यादव द्वारा विद्यालय की विभिन्न योजनाएं छात्रवृत्ति, राजश्री आरकेएसएमबीके, पीएम श्री व अन्य गतिविधियों और बच्चों की यूनिफॉर्म, बच्चों कोआयरन गोली वितरण, मीनू अनुसार पोषाहार, पोषाहार कक्ष में फर्श लगवाई, खेल मैदान में पौध को पानी पिलाने के पाईप लाइन बिछाई, डीएमएफटी मद दो कमरे निर्माण, एसएमए अकाउंट की जानकारी, जनवरी माह में होने वाले एसएमसी एसडीएमसी प्रशिक्षण, विद्यालय में अतिरिक्त क्लास लेने, खेल मैदान में तार बन्दी करवाने और परीक्षा की तैयारी के लिए बच्चों को घर पर नियमित पढ़ाई करवाने की जानकारी दी। इस बैठक में विधायक प्रतिनिधि के रूप में पांचू हवलदार, नोरत बैरवा, अनिल पंवार और मांगीलाल जाट को भी सदस्यों में जोड़ा गया। इस मौके सरपंच भँवर सिंह गौड, अब्दुल आहत, पूर्व सरपंच देवकरण गुर्जर, पूर्व उपाध्यक्ष तेजमल जाट, शिवराज जाट, हगामी लाल मोटिस, वीरेंद्र सिंह राठौड़, सागर कंवर, अनिल पंवार और नारायण फारक आदि उपस्थित थे।

रक्तदान महादान है: सुरेंद्र सिंह राठौड़ कांसेडा

बालाजी गौशाला कांसेड़ा में विशाल रक्तदान कैंप व निशुल्क मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी। उपखंड मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम पंचायत खारड़ियां व भामाशाह समाजसेवी सुरेन्द्र सिंह कांसेडा के सौजन्य से शुक्रवार को श्री बालाजी गौशाला कांसेडा में विशाल रक्तदान कैंप व निशुल्क मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया प्रातः 10 बजे बाबा जीवनपुरी धाम के महन्त गोपालपुरी जी महाराज व भादी पीठाधीश्वर रेवतीरमण दास जी महाराज ने फिता काटकर शिविर का भव्य शुभारम्भ किया। इस शिविर में जयपुर के विशेषज्ञ डॉक्टर जनरल फिजिशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डायग्नोलॉजिस्ट विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त रोग विशेषज्ञ, होम्योपैथिक चिकित्सक ने अपनी बेहतरीन सेवाएं दी। लगभग तीन हजार व्यक्तियों ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ लिया ' इस अवसर पर भामाशाह समाजसेवी सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि रक्तदान महादान है इससे देने वाले को जहां कोई फर्क नहीं पड़ता वही जरूरतमंद व्यक्ति के लिए यह जीवनदान हैं ' उन्होंने कहा कि समाज सेवा के इस प्रकार के नेक कार्य करने से हमें सकून मिलता है ' शिविर में 450 एक्स-रे, 330 ब्लड व शुगर जाँच, 60 ईसीजी की निःशुल्क जाँचे की गयी। क्षेत्रवासियों में रक्तदान शिविर को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला।

सम्मेद शिखर बचाने के लिए सड़क पर उतरा जैन समाज

संपूर्ण सीकर जिले के जैन समाज ने शहर में मौन जुलूस निकालकर जताया आक्रोश

सीकर. शाबाश इंडिया

जिलेभर के जैन समाज के लोगों ने रविवार को झारखंड राज्य में स्थित जैन धर्मावलंबियों के सबसे बड़े पावन तीर्थ सम्मेद शिखर जी को पावन तीर्थ क्षेत्र के संरक्षण, झारखंड सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र घोषित किए जाने के विरोध में विशाल मौन जुलूस निकालकर अपना विरोध जताया ।जैन समाज के लोगों ने अपने पावन तीर्थक्षेत्र की रक्षा के लिए अपने प्रतिष्ठान बंद रख अपना आक्रोश व्यक्त किया ।प्रवक्ता व संयोजक विवेक पाटोदी ने बताया कि शहर के जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां में प्रातः काल से ही जिलेभर के लोग जुड़ने शुरू हो गए ।दोपहर 1 बजे विशाल मौन जुलूस रवाना होकर स्टेशन रोड़, अहिंसा सर्किल, कल्याण सर्किल होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचा। संयोजक गजेंद्र ठोलिया व महेश बड़जात्या ने बताया दिगंबर जैन बीस पंथ आमनाय मंत्री अजीत जयपुरिया व तेरह पंथ आमनाय नया मंदिर कमेटी अध्यक्ष संजय संगही, तेरह पंथ आमनाय बड़ा मंदिर दीवान जी की नसियां से शशि दीवान, भगवान महावीर चैरिटी ट्रस्ट सीकर मंत्री किशोर संगही, धोद से सुशील पाटनी , राणोली से श्रीचंद बड़जात्या, फतेहपुर से सुरेश गोधा, महिला महासमिति की अनिता काला,संतोष पहाड़िया , मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी द्वारा सकल जैन समाज जिला सीकर की तरफ से माननीय सीकर एडीएम को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व झारखंड सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया ।माननीय एडीएम को ज्ञापन देते हुए जैन समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि सम्मेद शिखर जी पर जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकरों में से बीस जैन तीर्थंकर मोक्ष गए हैं।जैन समाज के लिए सम्मेद शिखर कई सदियों से पावन और वंदनीय रहा है।लेकिन सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय ने दो अगस्त 2019 को अधिसूचना जारी कर सम्मेद शिखर जी को वन्य जीव अभ्यारण्य का एक भाग घोषित कर दिया।जिसमें पर्यावरण, पर्यटन व गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति दी गई है। आशीष जयपुरिया व विकास लुहाड़िया ने बताया कि जैन समाज अपने पवित्र तीर्थ स्थल पर पर्यटन व गैर धार्मिक गतिविधियां नहीं चाहता।झारखंड सरकार व केंद्र सरकार को यह अधिसूचना तुरंत वापस लेनी चाहिए।सम्मेद शिखर के मधुवन क्षेत्र को मांस, मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र क्षेत्र बनाने का आदेश जारी किया जाए।आनंद मोदी व नवीन कासलीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का संयोजन गजेन्द्र ठोलिया, महेश बड़जात्या, मनोज पाटोदी झीगर , युवा वर्ग के आशीष जयपुरिया, संजय बड़जात्या, विवेक पाटोदी, विकास लुहाड़िया, अभिनव सेठी, आनंद मोदी, नवीन कासलीवाल, अंकित बड़जात्या, रोहित छाबड़ा, निर्मल छाबड़ा द्वारा किया गया। अभिनव सेठी व अंकित बड़जात्या ने बताया कि विशाल जुलूस में सीकर शहर सहित फतेहपुर, राणोली, धोद, दूजोद, किरडोली, झीगर, मुंडवाड़ा, कोछोर, रेटा, सिहोट, नागवा, काछवा, कटराथल, चारणवास, खूड़, भुरडो का बास, चुडोली, चौमू पुरोहितान, दुधवा, डासरोली, हर्ष, काकरा, डासरोली, कोलीड़ा, खाटू, लाम्या, मेई, नागवा, पृथवीपुरा, पालवास, रींगस, रुलाणा, रलावता, रूपगढ़, रैवासा, श्रीमाधोपुर, नवलगढ़ सहित आसपास के विभिन्न गांवों के जैन समाज के हजारों लोग उपस्थित हुए ।

डॉट स्कॉलरशिप परीक्षा में बैठे हजारों विद्यार्थी

गाँधीपथ स्थित निम्फ अकेडमी स्कूल में आयोजित हुई परीक्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया। गाँधीपथ स्थित निम्फ अकेडमी स्कूल में रविवार को डिसकवरी ऑफ टैलेंट 'डॉट' स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। चार पारियों में हुई इस परीक्षा में करीब 5 हजार छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। स्कूल के निदेशक एम.पी. सिंह ने बताया कि कोरोना-काल में बच्चों की पढ़ाई का ऐसा क्रम टूटा कि वे केवल ऑनलाइन के जाल में फंस कर रह गए जो उनके भविष्य के लिए अच्छा नहीं कहा जा सकता। विद्यार्थियों को दुबारा पढ़ाई की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए डॉट परीक्षा एक कारगर कदम साबित होगी। बच्चों की अध्ययन के प्रति पुनः रुचि जागृत करने के उद्देश्य से ही डॉट परीक्षा करवाई गई है क्योंकि ऐसी परीक्षाएं बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित करने में बूस्टर डोज का काम करेगी और विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति उत्साह और जज्बे को पुनर्जीवित करेगी। स्कूल पीआरओ रैना पूनिया ने बताया कि स्कूल की ओर से पूर्व में भी 4 बार डॉट परीक्षा आयोजित करवाई गई जो केवल 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए थी। इसबार हुई परीक्षा में सीनियर छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। यह परीक्षा आरबीएसई और सीबीएसई दोनों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए थी। स्कूल के सीएफओ देवेंद्र सिंह ने बताया कि परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने में स्कूल के पूरे स्टॉफ का योगदान रहा। सभी अध्यापक- अध्यापिकाओं ने दी गई जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन किया।

संकटमोचन हनुमान मंदिर पर भक्तिभाव से मनाया गया पोषबड़ा महोत्सव

हनुमानजी महाराज के लगाया 501 किलो पोषबड़ा का भोग

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया।

भीलवाड़ा। शहर के गोलप्याउ क्षेत्र में मुख्य डाकघर के पास स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में रविवार शाम पूरी भक्तिभावना के साथ पोषबड़ा महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर हनुमानजी महाराज को विशेष चोला चढ़ाया गया। शाम को 6.15 बजे आरती के बाद पोषबड़ा प्रसाद का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं ने हनुमानजी महाराज के जयकारे लगाए। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरीजी महाराज ने बताया कि आरती के बाद भोग लगाकर प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। पोषबड़ा महोत्सव के तहत 501 चना व मूंग की दाल के आलूबड़े व पकौड़े बनाए गए। पोषबड़ा प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े। प्रसाद पाने के लिए लंबी कतारे लग गई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से संकटमोचन हनुमानजी महाराज के भक्तगण पोषबड़ा प्रसाद पाने के लिए मंदिर पहुंचे थे। पोषबड़ा प्रसाद वितरण की व्यवस्था संभालने वालों में सांवरमल बंसल, रमेशचन्द्र बंसल, श्रीराम कथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज,महासचिव पीयूष डाड, कन्हैयालाल स्वर्णकार, महावीरप्रसाद अग्रवाल, सुनील रांका आदि शामिल थे। स्वयं बाबूगिरीजी महाराज कोई भक्तगण पोषबड़ा प्रसाद से वंचित नहीं रहे इसके लिए पूरी व्यवस्था में समन्वय कायम करते रहे।

जैन सोशल ग्रुप ने मनाई ''पुष्कर की गुलाबी सर्दी''

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर जैन सोशल ग्रुप ने पुष्कर की वादियों में गुलाबी सर्दी नाम से इंद्रधनुषी कार्यक्रम रखा। विविध कार्यक्रमों से सजी शाम अलीला विला में सम्पन्न हुई, जिसमें अनिल-सुनीता गंगवाल एवं अमित ज्योति वेद ने रोचक गेम्स खिलाये व सभी को मस्ती से सराबोर कर दिया। ग्रुप के आधार पर खिलाए गए गेम्स में इंदु जैन के नेतृत्व में सफेद रिबन टीम विजेता रही, जिसमें अंकुर बड़जात्या, अनिता सोनी, नीरू बड़जात्या, बीना गदिया, सोनी जैन, रमेश जैन, अनिल पाटनी, सहित करीब 16 सदस्य शामिल थे। डांस फ्लोर पर मिस्टर एंड मिसेज अनुराग जैन को बेस्ट कपल डांसर चुना गया। इस अवसर पर बने सांताक्रुज ने सभी को मिठाईयां और गिफ्ट्स बांटे। गुलाबी ठंडक के बीच डीजे की धुन पर सभी ने डांस व मस्ती का भी लुत्फ उठाया और बीते साल की विदाई व आने वाले नए साल का जोशीले अंदाज में स्वागत किया व डांस का लुत्फ उठाया। वर्ष 2023-25 के लिए दोषी अध्यक्ष इसके साथ ही वर्ष 2023-25 के लिए कार्यकारिणी ने सुनील दोषी को अध्यक्ष चुना। इससे पूर्व 18 सदस्यी कार्यकारिणी के भी चुनाव हुए जिसमें आर के बोहरा, बिमल चन्द गट्टी, प्रदीप पाटनी, राजकुमार पाटोदी, शैलेंद्र बड़जात्या, रमेश बड़जात्या, राजेश बोहरा, अमित जैन, अशोक गदिया, श्रीमती रूपश्री जैन, सुनील दोषी, नरेश गंगवाल, संजय सोनी, श्रीमती इंदु जैन, प्रमोद सोगानी, सुभाष बड़जात्या, विनय गदिया व अनिल बड़जात्या निर्विरोध चुने गए। कार्यक्रम में करीब 105 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं मनोज मड़ोसिया ने संभाली, जबकि कार्यक्रम का संचालन वर्तमान ग्रुप अध्यक्ष रूपश्री ने किया।

दाना शिवम हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन

652 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दाना शिवम हॉस्पिटल विद्याधर नगर में रविवार को महाराजा सूरजमल बलिदान दिवस एवं अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 652 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि बालमुकुंदाचार्य महाराज, विधायक नरपत सिंह राजवी, रीको निदेशक सीताराम अग्रवाल आदि रहे। दाना शिवम हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ सुनील गर्सा व शालिनी तौमर गर्सा ने संयुक्त रूप से सभी रक्त दाताओं एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए एवं रक्तदाता द्वारा दी गई रक्त की हर बूंद मरीज और घायल के लिए जीवनदायिनी समान होती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान का संबंध किसी जाति और धर्म से नहीं है बल्कि एक मानव का दूसरे मानव के लिए अमूल्य जीवन का उपहार है। रक्तदाता को यह तक पता नहीं होता कि उसका रक्त किस व्यक्ति को लगेगा यही सच्ची सेवा है। दाना शिवम हॉस्पिटल के मुख्य प्रबंधक नरेंद्र सिंह सोमरा ने बताया कि पिछले 8 वर्षों से लगातार इस पुण्य दिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है एवं रक्तदान शिविर में रक्त दाताओं को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रबंधक सोमरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में वीकेआई एसोसिएशन के अध्यक्ष ताराचंद चौधरी, सुमेर सिंह शेखावत, अरुण अग्रवाल, संजय शर्मा, संजय बिरख, अमित बिरख, दाना शिवम हॉस्पिटल पीआरओ मीनू कुमार शर्मा के साथ अनेक लोग उपस्थित रहे।

सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का छठवां दिनांक

परस्पर प्रेम ही सामाजिक समस्याओं का समाधानः जया किशोरी

राज्य सरकार के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने सुनी भागवत कथा

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने रविवार को नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले आदर्श नगर के सूरज मैदान पर चल रही भव्य श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि परस्पर प्रेम ही सामाजिक समस्याओं का समाधान है। इसका मतलब है कि यदि लोग आपस में भाईचारा और प्रेम से रहें तो कोई सामाजिक समस्या नहीं होती। भगवान श्रीकृष्ण ने लोगों में इसी प्रेम के संदेश की स्थापना के लिए अवतार धारण किया। भगवान श्रीकृष्ण ने ग्वाल-बाल और गोपीजन के बीच श्रीकृष्ण का सजीव वर्णन करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण के बालसखा और बृहस्पति के ज्ञानी शिष्य को गोपियों ने प्रेम का पाठ पढ़ाया। श्रीराधा-कृष्ण प्रेम की साकार प्रतिमूर्ति है। मथुरा लीला प्रसंग पर बोलते हुए आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि प्रभु श्रीकृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयांधकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है। जिस ज्ञान का प्राप्त करके जीव पूर्ण ब्रहम जीव से साक्षात्कार करता है। परमात्मा श्रीकृष्ण ने मथुरा लीला में अज्ञानरूपी कंस का उद्धार कर ज्ञान का संवर्धन किया।यहां तक कि साक्षात बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु श्री गोपियों के द्वारा भक्ति की चादर ओढाकर परिपूर्ण किया।स्वयं परमात्मा श्री कृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में ही गुरू सांदीपानि के सानिध्य में 64 दिनों तक रहकर ज्ञान प्राप्त किया। प्रभु की मथुरा लीला को श्रवण करने से भक्त के हृदय में ज्ञान का उदय होता है। यदि विद्यार्थी अपने अध्ययनकाल में प्रभु की मथुरा लीला को श्रवण करते है। जो निश्चित रूप से विद्या के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त होती है। उन्होने आगे रूकमणि विवाह प्रसंग पर बोलते हुए कहा कि रूकमणि जी ने अपने जीवन किए सत्कर्म का फल के रूप में प्रभु को ही मांगा जिसको कि प्रभुश्री कृष्ण ने स्वय कुण्डिनपुर जाकर रूकमणि को प्रधान पटरानी बनाकर पूर्ण किया। इस मौके पर रूकमणि विवाह उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर कथा प्रसंग के साथ रूकमणि विवाह झांकी भी सजाई गई। इस दौरान जया किशोरी कथा प्रसंग के तहत प्रभु श्याम प्यारे हमारे ...,श्याम नाम की मेहंदी रचाकर जैसे भजनों के माध्यम से खूब भक्ति रस बरसाया। इस मौके पर राजस्थान सकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, रीको निदेशक सीताराम अग्रवाल, कांग्रेस नेता राजपाल शर्मा, पार्षद नीरज अग्रवाल व पारस जैन, आनंद गुप्ता, पवन गोयल आदि ने कथा का श्रमण किया। महोत्सव के तहत रविवार को कंस वध रासलीला, गोपी उद्धवश्र संवाद रूकमणि विवाह प्रसंग की कथा का वर्णन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को श्रीकृष्ण अनन्य विवाह, श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र सहित अन्य प्रसंगों पर वर्णन होगा। कथा रोजाना दोपहर 1 बजे से साम 5 बजे तक होगी।

दौसा जैन समाज ने निकाला ऐतिहासिक मौन जुलूस

दौसा. शाबाश इंडिया

सकल जैन समाज द्वारा 20 तीर्थंकरों की एवं अनंत जैन संतों की मोक्ष स्थली पावन सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर पारसनाथ पर्वत राज ,गिरिडीह (झारखण्ड) की स्वतंत्र पहचान ,पवित्रता और संरक्षण हेतु विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित देशव्यापी श्री सम्मेदशिखर जी बचाओ आंदोलन के समर्थन में दिनांक 25 दिसम्बर रविवार को प्रातः 8.30 बजे सकल जैन समाज दौसा द्वारा श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से रेलवे स्टेशन ,मानगंज, लालसोट रोड,गाँधी तिराहा होते हुए जिला कलेक्ट्रेट तक समाज के सभी बालक ,बालिकाओं, महिला,पुरुष,बुजुर्ग, युवा वर्ग द्वारा मौन जुलूस निकाला गया जिसमें नन्हें बालकों द्वारा स्वरचित नारों एवं स्वनिर्मित तख्तियों को हाथों में लेकर इस सर्द मौसम में स्वयं को लगने वाली सर्दी को भुलाकर पवित्र तीर्थ की रक्षार्थ पैदल मौन होकर मौन जुलूस में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सकल जैन समाज ने आज पूरे विश्व मे आज यह संदेश देते हुए साबित भी किया कि सत्य,अपरिग्रह, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर भी बिना किसी शोर शराबे के मौन रहकर अनुशासन के साथ सरकार के समक्ष अपनी मांग को कैसे रखा जाता है। पूरे शहर में जब मौन जुलूस के रूप में जैन समाज के बच्चे ,महिलाएं एवं पुरूष पूर्ण रूप से मौन रहकर अनुशासन के साथ हाथों में विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर पंक्तिबद्ध होकर चल रहे थे तो दौसा शहर के प्रत्येक नागरिक

आपस मे इस मौन जुलूस की तारीफ कर रहे थे एवं दांतों तले अंगुलिया दबा कर आश्चर्य चकित थे। जिला प्रशासन की ओर से उपखण्ड अधिकारी संजय गौरा अवकाश के दिन जिला कलेक्ट्री में नीचे आये जंहा सभी लोगों के मध्य ही सकल जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल के रूप में समाज के अध्यक्ष आलोक जैन, बाड़ा पदमपुरा तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन एडवोकेट, प्रेमचंद जैन एडवोकेट,राकेश नीमला, भा ज पा शहर अध्यक्ष विपिन जैन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्यपाल कलराज मिश्र के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर ताराचंद जैन, अजीत जैन, गौरव जैन, राजेन्द्र जैन, अशोक जैन,मनीष जैन, अरविंद जैन,निर्मल जैन,नरेन्द्र जैन, प्रवीण जैन,विमल जैन, मानक जैन,भागचन्द जैन, निश्चल जैन,मनोज जैन,पारस जैन, प्रतीक जैन,प्रदीप जैन, प्रकाश चंद जैन,शैलेंद्र जैन,अंकित जैन,अंश जैन,सुजल जैन,अक्षत जैन महिला मंडल की अध्यक्षा सुमन जैन, विधि जैन, मंजू जैन,रूपा जैन,अनिता जैन, मणि जैन शकुंतला जैन, मनीषा जैन,डिम्पल जैन,रेखा जैन, अंतिमा जैन, मोनिका जैन, वंशिका जैन सहित जैन समाज के प्रत्येक परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

नोएडा जैन मंदिर में संगीतमय भक्तामर दीप अर्चना

नोएडा. शाबाश इंडिया। सेक्टर 50 के श्री पार्श्व नाथ दिगम्बर जैन मंदिर में ऋद्धि मन्त्रों के साथ संगीत मय भक्तामर दीप अर्चना कार्यक्रम पार्श्व नाथ प्रभावना समिति , महिला जागृति मंच व स्याद्वाद युवा वतन नोएडा के सहयोग से जयपुर के पदम जैन बिलाला (प्रांतीय अध्यक्ष - धर्म जागृति संस्थान राज) परिवार द्वारा शनिवार दिनांक 24 दिसम्बर को शाम भक्ति भाव के साथ 48 दीपक द्वारा आयोजित की गयी ।कार्यक्रम संयोजक कमलेश पाटनी व सुरेंद्र काला ने बताया की मंगल कलश स्थापना व दीप प्रज्वलन अखिल भारतीय जैन बैंकर्स

फोरम के राष्ट्रीय महामंत्री जे के जैन , नोएडा मन्दिर के अध्यक्ष योगेश जैन ,युवा वतन के अध्यक्ष शरद जैन व कैलाश हॉस्पिटल के डॉक्टर अजय बैनाडा ने किया । कार्यक्रम में मदर इंडिया स्कूल के निदेशक राकेश त्यागी महिला मण्डल अध्यक्ष कपिला जैन बिट्स पिलानी के डॉक्टर पी सी जैन धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री डी के जैन जनकपुरी जयपुर के सुनील सेठी ,सोभाग अजमेरा महिला मण्डल उपाध्यक्ष पुष्पा बिलाला सहित बहुत से गणमान्य समाज श्रेष्ठियों की सहभागिता रही तथा पूरे कार्यक्रम में मन्दिर श्रोताओं से खचाखच भरा रहा ।जयपुर के प० शिखर चन्द व किरण जैन ने भक्तामर अर्चना बड़े ही मधुर स्वरों में भाव व ऋद्धि मन्त्र समझाते हुए करायी जिसमें सभी श्रोताओं ने लय व ताल में झूमते हुए मण्डल पर दीपक चढ़ाये ।